

पाठ पाठ 1

अतिथि आप्यायन
ओतिथि आप्यायन

अतिथि सत्कार

- प्रमीर : आसून, आपनि भेत्तरे आसून।
शोमिर : आशुन, आप्नि भेतोरे आशुन।
बसून! एखाने बसून। शीला एदिके
बोशुन! एखाने बोशुन। शिला
एदिके
एसो। राकेशबाबु, स्पनि आमार
ञ्जी।
एशो। राकेशबाबु, इनि आमार
स्त्रि।
स्पनि राकेशबाबु। स्पनि प्ररकारी
इनि राकेशबाबु। इनि शरकारि
शप्रपातालेर नतून डाञ्जार।
हाशपातालेर नोतुन डात्तार।
राकेश : नमस्कार। आमि राकेश गुप्ता।
राकेश : नमोश्कार। आमि राकेश गुप्ता।
शीला : नमस्कार। बसून, बसून। आपनार
शिला : नमोश्कार, बोशुन, बोशुन।
आप्नार
मातृभाषा कि हिन्दी ?
मातृभाषा कि हिन्दि ?
राकेश : हँ, हिन्दी आमार मातृभाषा।
राकेश : हँ, हिन्दि आमार मातृभाषा।
- समीर : आइए, आप भीतर आइए। बैठिए,
यहाँ बैठिए। शीला, इधर आओ।
राकेशबाबु, ये मेरी पत्नी हैं। ये
राकेशबाबु हैं। ये सरकारी
अस्पताल के नये डाक्टर हैं।
राकेश : नमस्कार। मैं राकेश गुप्ता हूँ।
शीला : नमस्कार। बैठिए, बैठिए। क्या
आपकी मातृभाषा हिंदी है?
राकेश : जी हाँ, हिंदी मेरी मातृभाषा है।

श्रीला : आपनार बांग्ला तो खुब ভালो।
शिला : आपनार बाङ्ला तो खुब भालो।

शीला : आपकी बंगला तो बहुत अच्छी है।

राकेश : कारण बांग्लार प्रञ्ज हिन्दीर
राकेश : कारोन बाङ्लार शंगे हिन्दिर
अनेक मिल।
अनेक मिल।

राकेश : क्योंकि बंगला के साथ हिंदी का बहुत मेल है।

श्रीला : आपनार बाङ्गि कोथाय ?
शिला : आपनार बाङ्गि कोथाय ?

शीला : आपका घर कहाँ है?

राकेश : आमार बाङ्गि वाराणसीते।
राकेश : आमार बाङ्गि बारानोशिते।
समीर : श्रीला, याओ, चा आनो।
शोमिर : शिला, जाओ, चा आनो।

राकेश : मेरा घर वाराणसी में है।

शुभोके डाको।
शुभोके डाको।

समीर : शीला, जाओ, चाय ले आओ।
शुभो को बुलाओ।

राकेश : शुभो के?
राकेश : शुभो के?
समीर : शुभो आमार छेले।
शोमिर : शुभो आमार छेले।

राकेश : शुभो कौन है?

समीर : शुभो मेरा लड़का है।

राकेश : त्रा कि आपनार निजेर बाङ्गि ?
राकेश : एटा कि आपनार निजेर बाङ्गि ?

राकेश : क्या, यह आपका निजी मकान है?

समीर : हाँ, त्रा आमार निजेर बाङ्गि।
शोमिर : हाँ, एटा आमार निजेर बाङ्गि।

समीर : जी हाँ, यह मेरा निजी मकान है। यह बैठने का कमरा है। और उधर दो सोने के कमरे हैं। रसोईघर पीछे की ओर है। उस के बाद ही एक स्नानघर है।

त्रा वसार घर, आर ओपाशे दूटो
एटा बशार घर, आर ओपाशे दुटो
शोबार घर। रान्ना घरौ पेछन
शोबार घर। रान्ना घरटा पेछोन
दिके। तारपरैए एकौ बाथरूम।
दिके। तारपरैए एकटा बाथरूम।

राकेश : एतो बिराट बाडि।

राकेश : एतो बिराट बाडि।

समीर : एा आमार ठाकुरदार आमलेर

शोमिर : एटा आमार ठाकुरदार

आमोलेर

बाडि। ए आमार छेले।

बाडि। ए आमार छेले।

राकेश : तोमार नाम कि?

राकेश : तोमार नाम कि?

शुभ : आमार नाम शुभो।

शुभो : आमार नाम शुभो।

शीला : निन, चा खान।

शीला : निन, चा खान।

राकेश : चायेर प्रश्न आबार एप्रब केन?

राकेश : चायेर शंगे आबार एशब केनो?

शीला : एम्प तो सामान्य दुटो सिन्नाडा;

शीला : एइ तो शामान्नो दुटो शिंगाडा;

निन, खान।

निन, खान।

राकेश : सिन्नाडागुलो खुब भाल। कोन

राकेश : शिंगाडागुलो खुब भालो। कोन

दोकानेर ?

दोकानेर?

शीला : एगुलो बाडिीर तैरी।

शीला : एगुलो बाडिीर तोइरि।

राकेश : बाः! आपनार रानार हात तो।

राकेश : बाः! आपनार रानार हात तो

खुब भालो।

खुब भालो।

राकेश : यह तो बहुत बड़ा मकान है।

समीर : यह मेरे दादा के समय का मकान है। यह मेरा लड़का है।

राकेश : तुम्हारा नाम क्या है?

शुभो : मेरा नाम शुभो है।

शीला : लीजिए, चाय पीजिए।

राकेश : चाय के साथ यह सब क्यों?

शीला : ये तो केवल दो समोसे हैं। लीजिए, खाइए।

राकेश : समोसे बहुत अच्छे हैं। कौन सी दुकान के हैं?

शीला : ये घर के बने हैं।

राकेश : वाह! आपका हाथ तो रसोई बनाने में बहुत कुशल है। (आप तो रसोई बनाने में बहुत कुशल हैं)

- श्रीला : ओ! आर कि? एतो प्रामाना
शिला : एटा आर कि? एतो शामान्नो
ब्यापार।
बैपार।
- राकेश : एकि! एथन प्राडे पौंटा! आमार
राकेश : एकि! ऐखोन शाडे पाँचटा! आमार
छोय डिउँ। प्रमीरबाबु, आमि
छटाय डिउटि। शोमिरबाबु, आमि
एथन उँठि। आच्छा, अनेक
ऐखोन उठि। आच्छा, अनेक
धन्यवाद।
धोन्नोबाद।
- प्रमीर : धन्यवाद।
शोमिर : धोन्नोबाद।
- शीला : यह क्या है? यह तो बहुत सामान्य
(बात) है।
- राकेश : अरे! अभी साढ़े पाँच बजे है! मेरी
छः बजे ड्यूटी है। समीरबाबु, मैं
अब चलता हूँ। अच्छा, बहुत-बहुत
धन्यवाद।
- समीर : धन्यवाद।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
आप्यायन	आप्यायन	सत्कार
अतिथि	ओतिथि	अतिथि
आसून	आशुन	आइए
भेतरे	भेतरे	भीतर, अंदर
एथाने	एखाने	यहाँ
एदिके	एदिके	इधर
	एशो	आओ

এসো	ইনি	ये
স্পনি	আমার	मेरा
আমার	স্ত্রি	स्त्री
স্ত্রী	শরকারি	सरकारी
সরকারী	হাশপাতালের	अस्पताल का
হাশপাতালের	নোতুন	नये
নতুন	ডাক্তার	डॉक्टर
ডাক্তার	নমোশকার	नमस्कार
নমস্কার	আমি	मैं
আমি	বোশুন	बैठिए
বসুন	মানে	अर्थ
মানে	আপনি	आप
আপনি	কি	क्या
কি	তো	तो
তো	খুব	खूब, बहुत
খুব	ভালো	अच्छा
ভালো	হাঁ	हाँ
হ্যাঁ	মাতৃভাষা	मातृभाषा
মাতৃভাষা	তাছাড়া	इस के अलावा
তাছাড়া	শংগে	के साथ
সঙ্গে	হিন্দির	हिंदी का
হিন্দীর	প্রচুর	प्रचुर, अनेक
প্রচুর	মিল	मेल
মিল	তুমি	तुम
তুমি	জাও	जाओ
	চা	चाय

याँओ	आनो	ले आओ
चा	एटा	यह
आनो	छेले	लड़का, बेटा
त्रा	निजेर	निजी, अपना
छेले	बाड़ि	मकान, घर
निजेर	एइ तो	यह तो
बाड़ि	बशार	बैठने का
एस्प तो	घर	कमरा
बसार	ओपाशे	उस ओर
घर	दुटो	दो (मात्र)
ओपाशे	शोबार	सोने का
दुटो	रान्नाघरटा	रसोइ घर (यह)
शोबार	पेछोन दिके	पीछे की ओर
रान्नाघरटा	तारपरेइ	उसके बाद ही
पेछनदिके	बिराट	बहुत बड़ा
तारपरेस्प	नाम	नाम
बिरा	एशब	ये सब
नाम	कैनो	क्यों
एसब	सामान्नो	सामान्य
केन	शिडाड़ा	समोसा
सामान्य	निन	लीजिए
सिन्नाड़ा	खान	खाइए
निन	कोन	कौन
खान	दोकानेर	दुकान का
कोन	एगुलो	यह सब
	तोइरि	तैयार

दोकानेर	रान्नार	रसोई का
एगुलो	हात	हाथ
तैरी	भालो	कुशल, अच्छा
रान्नार	एकि	अरे
हात	ऐखोन	अभी
भालो	पाँचटा	पाँच (मात्र)
एकि	छटाय	छः बजे
एखन	आच्छा	अच्छा
पाँचा	अनेक	बहुत
छाय	धोन्नोबाद	धन्यवाद
आच्छा	आशि	आ रहा हूँ
अनेक		
धन्यवाद		
आसि		

अभ्यास

- I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण : एा बाड़ि। (आमार)

उदाहरण : एटा बाड़ि। (आमार)

एा आमार बाड़ि। (निजेर)

एटा आमार बाड़ि। (निजेर)

एा आमार निजेर बाड़ि।

एटा आमार निजेर बाड़ि।

1. आ बाड़ि।
एटा बाड़ि।

(आमार)
(आमार)
(ठाकुरदार)
(ठाकुरदार)
(आमलेर)
(आमोलेर)

2. आ कि बाड़ि?
एटा कि बाड़ि?

(आपनार)
(आपनार)
(निजेर)
(निजेर)

3. अपनि डाङ्कार।
इनि डाङ्कार।

(सरकारी)
(शरकारि)
(हांसपातालेर)
(हाहापातालेर)
(नतुन)
(नोतुन)

4. आसून।
आशुन।

(आपनि)
(आपनि)
(भेतरे)
(भेतरे)

5. बसून।
बोशुन।

(आपनि)
(आपनि)
(एखाने)
(एखाने)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।

उदाहरण: आमार नाम शुभो। (राकेश)

उदाहरण: आमार नाम शुभो। (राकेश)

आमार नाम राकेश।

आमार नाम राकेश।

1. श्री बजार घर। (शोबार)
एटा बजार घर। (शोबार)
2. उपाशे दुटा शोबार घर। (एकटा)
ओपाशे दुटा शोबार घर। (एकटा)
3. सिन्नाडागुलो कोन दोकानेर। (सिन्नाडा)
शिन्नाडागुलो कोन दोकानेर। (सिन्नाडाटा)
4. एगुलो बाडीर तैरी। (दोकानेर)
एगुलो बाडिर तोडरि। (दोकानेर)
5. आमार छाय डिउँ। (पाँचटाय)
आमार छटाय डिउँ। (पाँचटाय)

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : एम्प _____ छेले। (आमि, आमार)

उदाहरण : एइ _____ छेले। (आमि, आमार)

एम्प आमार छेले।

एइ आमार छेले।

1. राकेश, श्री कि _____ बाडि। (तुमि, तोमार)
राकेश, एटा कि _____ बाडि। (तुमि, तोमार)
2. शीला _____ नाम । (आमि, आमार)
शिला _____ नाम । (आमि, आमार)
3. कोलकाताय _____ बाडि। (आपनार, आपनि)
कोलकाताय _____ बाडि। (आपनार, आपनि)
4. हिन्दी _____ मातृभाषा। (आपनि, आपनार)
हिंदि _____ मातृभाषा। (आपनि, आपनार)

5. बांग्ला तो _____ खुब ভালो बलते पारेन। (आपनि, आपनार)
बाङ्ला तो _____ खुब भालो बोलते पारेन। (आपनि, आपनार)

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के एक-एक प्रश्न बनाइए।

उदाहरण : आमार नाम राकेश।

उदाहरण : आमार नाम राकेश।

आपनार नाम कि?

आपनार नाम कि?

1. आमार बाड़ि बारानसीते।
आमार बाड़ि बारानोशिते।
2. आमार मातृभाषा हिन्दी।
आमार मातृभाषा हिन्दि।
3. एा शोबार घर।
एटा शोबार घर।
4. ईग, एा आमार निजेर बाड़ि।
हैं, एटा आमार निजेर बाड़ि।
5. ईग, सिङ्गाड़ागुलो बाड़िर तैरी।
हैं, शिङ्गाड़ागुलो बाड़िर तोइरि।

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आपनार नाम कि?
आपनार नाम कि ?
2. आपनार बाड़ि कोथाय?
आपनार बाड़ि कोथाय?
3. आपनार मातृभाषा कि हिन्दी?
आपनार मातृभाषा कि हिन्दि?
4. शुभो के?
शुभो के?
5. राकेशबाबु के?
राकेशबाबु के?

पढ़िए और समझिए :

एलाहाबाद (एलाहाबाद) इलाहाबाद

आमि एलाहाबाद विश्वविद्यालयेर बांग्लार अध्यापिका। आमार नाम रमा चट्टोपाध्याय।
 आमि एलाहाबाद विश्वविद्यालयेर बाङ्लार ओद्धापिका। आमार नाम रमा चट्टोपाध्याय।
 आमार बाड़ि कोलकाताय। किन्तु आमि एखन एलाहाबादेर स्थायी बासिन्दा।
 कोलकातार
 आमार बाड़ि कोलकाताय। किन्तु आमि ऐखोन एलाहाबादेर स्थायी बासिन्दा।
 कोलकातार
 सञ्जे अनेक व्यापारेस्प एलाहाबादेर मिल। एलाहाबादओ बेश बड़ शहर। एस्प
 शहरेर
 शंगे अनेक बैपारेइ एलाहाबादेर मिल। एलाहाबादओ बेश बड़ो शहोर। एइ शहोरेर
 लोक कोलकातार मत राजनीति सचेतन। स्वाधीनता आन्दोलनेर सञ्जे
 एलाहाबादेर
 लोक कोलकातार मतो राजनीति सचेतन। स्वाधीनता आन्दोलनेर शंगे एलाहाबादेर
 नाम जड़ित। एस्प शहरे शहीद चन्द्रशेखर पार्क नामे एकी खुब सुन्दर पार्क
 आछे।
 नाम जोड़ितो। एइ शहोरे शोहिद चन्द्रशेखर पार्क नामे एकटि खुब सुन्दोर पार्क आछे।
 जहरलाल नेहरूर बाबा मतिलाल नेहरूर बाड़िओ एस्प एलाहाबादेस्प। एस्प बाड़िर
 नाम जहरलाल नेहरूर बाबा मोतिलाल नेहरूर बाड़िओ एइ एलाहाबादेइ। एइ बाड़िर
 नाम
 आनन्द भवन। एलाहाबाद विश्वविद्यालय नामकरा ओ पुरोनो विश्वविद्यालय। विख्यात
 आनन्दो भवन। एलाहाबाद विश्वविद्यालय नामकरा ओ पुरोनो विश्वविद्यालय। विख्यातो
 वैज्ञानिक मेघनाद साहा सह अनेक नामकरा व्यक्तिर नाम एस्प विश्वविद्यालयेर सञ्जे
 बोद्दग्यानिक मेघनाद साहा शहो अनेक नामकरा बैक्तिर नाम एइ विश्वविद्यालयेर शंगे
 युक्त। आमि एस्प विश्वविद्यालयेर जन्य गर्बित। एलाहाबाद एकी तीर्थस्थान।
 जुक्तो। आमि एइ विश्वविद्यालयेर जोन्नो गर्बितो। एलाहाबाद एकटि तिर्थस्थान।

प्रयाग तीर्थ एम्प शहरेर उपकर्छे। गङ्गा यमुना ओ प्ररञ्चतीर मिलन--स्थल एम्प प्रयागे।
प्रोयाग तिर्थो एङ् शहोरेर उपोकरंठे। गंगा जोमुना ओ शरोश्शोतिर मिलन-स्थल एङ् प्रोयागे।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
एलाहाबाद	एलाहाबाद	इलाहाबाद
विश्वविद्यालयेर	विश्वोविद्यालयेर	विश्वविद्यालय का
बांग्लार	बाङलार	बंगला का
अध्यापिका	ओद्धापिका	अध्यापिका
कोलकाताय	कोलकाताय	कलकत्ता में
किञ्चु	किन्तु	किंतु
आमि	आमि	मैं
स्थायी	स्थायि	स्थायी
बासिन्दा	बाशिन्दा	बाशिंदा, निवासी
ब्यापारेम्प	बैपारेङ्	विषय में ही
बड़	बड़ो	बड़ा
शहर	शहोर	शहर
एम्प	एङ्	यह
लोक	लोक	लोग
मत	मतो	जैसा
राजनीति	राजनिति	राजनीति
स्वाधीनता	शाधिनता	स्वाधीनता, स्वतंत्रता
आन्दोलनेर	आन्दोलोनेर	आंदोलन का
जोड़ित	जोड़ितो	जुड़ा हुआ
शहीद	शोहिद	शहीद

शहीद	उल्टोदिके	उलटी ओर (विपरीत दिशा)
उल्टोदिके	शुन्दोर	सुंदर
सुन्दर	भबोन	भवन
भवन	नामकरा	नामी
नामकरा	पुरोनो	पुराना
पुरोनो	बिक्खातो	विख्यात, मशहूर
बिख्यात	बोङ्गानिक	वैज्ञानिक
वैज्ञानिक		
सह	शहो	के साथ
ब्यक्ति	बैक्ति	व्यक्ति
युक्त	जुक्तो	युक्त
जन्यो	जोन्ने	के लिए
गर्वित	गोर्बितो	गर्व का अनुभव
एको	एकटि	एक
तीर्थस्थान	तिर्थोस्थान	तीर्थस्थान
प्रयाग	प्रयाग	प्रयाग
उपकर्णे	उपकन्टे	सीमांत में
गङ्गा	गंगा	गंगा
यमुना	जोमुना	यमुना
सरस्वतीर	शरोश्शोतिर	सरस्वती का
मिलन	मिलन	मिलन
स्थल	स्थल	स्थल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. रमा चट्टोपाध्याय कौन विश्वविद्यालयের অধ্যাপিকা?
रमा चट्टोपाध्याय कौन विश्वविद्यालयের ओद्धापिका ?
2. एलाहाबाद शहरের लोक कि राजनीति सचेतन?
एलाहाबाद शहोरेर लोक कि राजनिति शचेतन ?
3. एलाहाबादे कौन पार्क खूब सुन्दर?
एलाहाबादे कौन पार्क खुब सुन्दर ?
4. प्रयाग तीर्थ कोथाय?
प्रयाग तिर्थो कोथाय?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

- | | |
|------------|---------|
| 1. সহ | লোক |
| শহো | লোক |
| 2. ব্যক্তি | প্রচুর |
| বৈক্তি | প্রচুর |
| 3. যুক্ত | সঙ্গে |
| জুক্তো | শংগে |
| 4. অনেক | জড়িত |
| অনেক | জোড়িতো |

III. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

विश्वविद्यालय	तीर्थस्थान	पुरनो	धर्मनीति
विश्वोविद्यालय	तिर्थोस्थान	पुरोनो	धर्मनिति
श्यायी	तामिल	शहर	राजनीति
स्थायि	तामिल	शहोर	राजनिति
बांग्ला	दुर्गा	नतून	अध्यापिका

बाङला	दुर्गा	नोतुन	ओद्धापिका
बैज्ञानिक	साहित्यिक	ग्राम	प्रश्नज्ञी
बोड्गानिक	शाहितिक	ग्राम	शरशोति

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

आमार नाम रामप्रसाद पाण्डे। आमि हरिद्वारेर श्वायी बासिन्दा। आमि हरिद्वारे
आमार नाम रामप्रसाद पाण्डे। आमि हरिद्वारेर स्थायि बासिन्दा। आमि हरिद्वारे

एकी कलेजेर अध्यापक। हरिद्वार एकी पुरोनो विख्यात शहर। एखाने
एकटि कलेजेर ओद्धापक। हरिद्वार एकटि पुरोनो बिख्यातो शहोर। एखाने

बहू तीर्थयात्री आप्सेन।

बहु तिर्थोयात्रि आशेन।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

कलकत्ता बहुत बड़ा शहर है। मेरा घर कलकत्ता में है। मैं कलकत्ता विश्वविद्यालय का
छात्र हूँ। कलकत्ता के लोग राजनीति में सजग होते हैं।

VI. अतिथि के आने पर उसके स्वागत में आप क्या बातचीत करेंगे, पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में बंगला भाषा के क्रिया रहित वाक्यों तथा विधिवाचक वाक्यों का परिचय दिया गया है।

उदाहरण (1) क्रियारहित वाक्य

म्पनि आमार स्त्री।

ये मेरी पत्नी हैं।

इनि आमार स्त्रि।

म्पनि राकेशबाबू।

ये राकेश बाबू हैं।

इनि राकेशबाबु।

उनि प्रकरारी हाशपातालेर नतून डाक्टर। ये सरकारी अस्पताल के नये डाक्टर हैं।

उनि शरकारि हाशपातालेर नोतुन डाक्टर।

আমি রাকেশ গুপ্তা। আমি রাকেশ গুপ্তা।	मैं राकेश गुप्ता हूँ।
ইং। হিন্দী আমার মাতৃভাষা। हैं। हिन्दि आमार मातृभाषा।	हाँ, हिंदी मेरी मातृभाषा है।
এটা কি ? एटा कि?	यह क्या है?

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्य

আসুন, আপনি ভেতরে আসুন। आशुन, आपनि भेतोरे आशुन।	आइए, आप अंदर आइए।
শীলা, যাও, চা আনো। शिला, जाओ, चा आनो।	शीला, जाओ चाय ले आओ।
শুভোকে ডাকো। शुभोके डाको।	शुभो को बुलाओ।
নিন, চা নিন। निन, चा निन।	लीजिए, चाय लीजिए।
निन, खान। निन, खान।	लीजिए, खाइए।

- II. उपर्युक्त उदाहरण (1) के बंगला वाक्यों में आप देख सकते हैं कि, जब उद्देश्य और विधेय दोनों संज्ञा होते हैं तब वर्तमान काल के वाक्यों में इन्हें बाँधने के लिए हिंदी के 'है' हैं जैसी योजक क्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती, जबकि, हिंदी के ऐसे वाक्यों में भी कर्ता के अनुसार 'है, हैं, हूँ, हो' जैसी योजक क्रियाओं का प्रयोग अनिवार्य है।

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्यों में बंगला भाषा के आज्ञार्थक क्रियाओं का प्रयोग दिखाया गया है। बंगला में भी हिंदी की तरह मध्यम पुरुष के लिए तीन सर्वनामों का प्रयोग होता है।

তুম্ম যা। जा।	तुइ	तू जा। तुम जाओ।
------------------	-----	--------------------

তুমি যাও। जाओ।	তুমি	आप जाइए।
আপনি যান। जान।	आपनि	

III. संज्ञाओं तथा सर्वनामों के संबंध रूप बनाने के लिए बंगला के व्यंजनांत शब्दों में -एर (-एर) जोड़ा जाता है। एकाक्षरवाले स्वरांत शब्दों में (जैसे चा, ভাষা, চৌ [चा, भाई, बउ] आदि) में

-येर(-येर) और बाकी शब्दों में -र (-र) जोड़े जाते हैं। जैसे :

হাসপাতাল + এর = হাসপাতালের	हाशपाताल + एर = हाशपातालेर	: अस्पताल का
চা + য়ের = চায়ের	चा + येर = चायेर	: चाय का
হিন্দী + র = হিন্দীর	हिन्दी + र = हिन्दीर	: हिंदी का

IV. अधिकरण के रूप बनाने के लिए आकारान्त शब्दों में -ते (ते) अथवा -य (-य), अन्य स्वरांत शब्दों में -ते (-ते) और व्यंजनांत शब्दों में -ए (-ए) जुड़ता है। जैसे:

কোলকাতা + তে = কোলকাতাতে	कोलकाता + ते = कोलकाताते	: कोलकाता में
বারাণসী + তে = বারানসীতে	बारानोशि + ते = बारानोशिते	: वाराणसी में
এলাহাবাদ + এ = এলাহাবাদে	एलाहाबाद + ए = एलाहाबादे	: इलाहाबाद में

V. बंगला में संज्ञाओं के लिंगों के अनुसार सर्वनाम के लिंगों में भेद नहीं होता। सर्वनामों के एक वचन के संबंध रूप बनाने के लिए सर्वनाम के परिवर्तित (तिर्यक) रूप में -र (-र) जोड़ा जाता है। जैसे:

আমি -- আমা + র = আমার	आमि -- आमा + र = आमार	मेरा
আপনি -- আপনা + র = আপনার	आपनि -- आपना + र = आपनार	आप का

তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুম্প -- তো + র = তোর	তুই -- তো + র = তোর	তুই -- তো + র = তোর	তুই -- তো + র = তোর
তিনি -- তাঁ + র =	তিনি -- তাঁ + র =	তিনি -- তাঁ + র =	তিনি -- তাঁ + র =
স্পনি -- এনা/এঁ + র = এনার/এঁর	ইনি -- এনা/এঁ + র = এনার/এঁর	ইনি -- এনা/এঁ + র = এনার/এঁর	ইনি -- এনা/এঁ + র = এনার/এঁর
উনি -- ওনা/ওঁ + র =	উনি -- ওনা/ওঁ + র =	উনি -- ওনা/ওঁ + র =	উনি -- ওনা/ওঁ + র =
ওনার/ওঁর	ওনার/ওঁর	ওনার/ওঁর	ওনার/ওঁর
সে -- তা + র = তার	শে -- তা + র = তার	শে -- তা + র = তার	শে -- তা + র = তার
এ -- এ + র = এর	এ -- এ + র = এর	এ -- এ + র = এর	এ -- এ + র = এর
ও -- ও + র = ওর	ও -- ও + র = ওর	ও -- ও + র = ওর	ও -- ও + র = ওর

VI. किसी शब्द पर विशेष बल देने के लिए उसके बाद -তো (-तो) जोड़ा जाता है। जैसे:

এম্পতো স্পেপ বাড়ী এইতো সেই বাড়ি যही वह घर है।

VII. बंगला में पूर्व निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए प्रयुक्त वस्तुवाचक संज्ञाओं और सर्वनामों के एकवचन में -টা (-टा) अथवा -টি (-टि) अवश्य लगाते हैं। इसका अलग से कोई अर्थ नहीं होता। बहुवचन में वस्तुवाचकों के साथ -গুলো (-गुलो) अथवा -গুলি (-गुलि) जोड़े जाते हैं।

एकवचन	बहुवचन
ঘরো / ঘরোঁ } কমরা	ঘরগুলো / } ঘরগুলি
ঘরটা / ঘরটি	কমরে
	ঘরগুলো / ঘরগুলি
এটা / এটি } यह	এগুলো / এগুলি } যে
এটা / এটি	এগুলো / এগুলি

VIII. संख्यावाचक शब्दों के साथ -ता (-टा), -ति (-टि), -ते (-टे), -टा (-टो) जोड़े जाते हैं किन्तु -
गुलो (-गुलो), -गुलि (-गुलि) का प्रयोग नहीं होता है। जैसे :

एकौ	एकटा	एक
दूटौ	दुटो	दो
तिनटौ तिनटे	तीन	
चारटौ / चारँ	चारटे/चारटि	चार
पाँचौ	पाँचटा	पाँच

IX. बंगला में भी प्रञ्ज (साथ), जन्य (लिए) जैसे अव्ययों के साथ हिंदी के समान ही संबंध
विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे :

चायेर प्रञ्ज	चायेर शंगे	चाय के साथ
आमार प्रञ्ज	आमार शंगे	मेरे साथ
विश्वविद्यालयेर जन्य	विश्वविद्यालयेर जोन्ने	विश्वविद्यालय के लिए
आमार जन्य	आमार जोन्ने	मेरे लिए

